REVIEW OF THE PERFORMANCE OF THE CENTRE FOR RAILWAY INFORMATION SYSTEMS(CRIS) BY THE MINISTRY OF RAILWAYS FOR THE YEAR 2009-10.

The Centre for Railway Information Systems (CRIS) was constituted by the Ministry of Railways on 01.07.1986 as an autonomous body for computerization activities on Indian Railways. CRIS handles a number of important projects in various areas of Railway operation.

One of the major projects being handled by CRIS is the Freight Operations Information System (FOIS). This project has been divided into two modules, the Rake Management System (RMS) and the Terminal Management System (TMS). Rake Management System (RMS) has been fully implemented. By the end of year under review (2009-10), Terminal Management System (TMS) was implemented at 850 locations. Out of these, about 700 locations are issuing computerized Railway Receipts to customers. Balance locations deal with inward traffic. Two more modules of FOIS viz. Control Office Application for Control Charting and Crew Management System for ensuring optimum utilization of running staff were also developed. The pilot phase of CMS was successfully implemented on 4 lobbies of Ratlam and Vadodra Divisions (Ratlam, Ujjain, Godhra and Vadodra lobbies). CMS Software system was rolled out in December 2007. Upto 31.3.2010, about 319 crew booking points were commissioned.

In Passenger Reservation System (PRS), Countrywide Network of Computerized Enhanced Reservation and Ticketing (CONCERT), based on the state-of-the-art client server technology, has been installed at all the PRS nodes providing facility for the passengers to book seats/berths on any train on IR from any location. PRS is currently running at 2350 locations with more than 8270 terminals and handling more than 3000 trains involving more than 1.5 million passenger transactions per day.

Unreserved Ticketing System (UTS) started as a pilot project at 23 stations in Delhi area of Northern Railway on 15th August 2002. Seeing the success of the system, UTS was extended to other locations and as on 31.03.2010, UTS was working at 3614 stations across All Indian Railways. By the end of the year, daily revenues of over Rs.26 crore were obtained from UTS by providing tickets to over 1.7 crore passengers each day.

Integrated Coach Management System (ICMS) is developed to help in improving operational efficiency in utilizing passenger coaches and to monitor and analyze punctuality. The ICMS application is hosted on Central Servers located in CRIS and accessed by remote locations via the FOIS network.

Parcel Management System (PMS) pilot project commenced at all 7 stations of Delhi – Howrah corridor namely Delhi, Kanpur, Allahabad, Gaya, Sealdah and Howrah.

The accounts of CRIS for the year 2009-10 have been audited by the office of the Comptroller and Auditor General. There are no major adverse comments.

902562/2021/C&IS

(18)

रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2009-10 के लिए रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) के निष्पादन की समीक्षा

रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) की स्थापना 1.7.1986 को भारतीय रेल पर कम्प्यूटरीकरण गतिविधियों के लिए एक स्वायत्त निकाय के रूप में रेल मंत्रालय द्वारा की गई थी। क्रिस रेल परिचालन के विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण परियोजनाए संभाल रहा है।

क्रिस द्वारा निष्पादित की जा रही महत्वपूर्ण परियोजनाओं में माल यातायात परिचालन सूचना प्रणाली (फोईस) शामिल है । इस परियोजना को दो मॉड्यूल अर्थात रेक प्रबंधन प्रणाली (आर.एम.एस.) और टर्मिनल प्रबंधन प्रणाली (टी.एम.एस.) में बाँटा गया है । आर.एम.एस. को पूर्णतः कार्यान्वित कर दिया गया है । समीक्षाधीन वर्ष 2009-10 के दौरान टी.एम.एस. को 850 स्थलों पर क्रियान्वित कर दिया गया जिस मे से करीब 700 स्थल रेल ग्राहकों को रेल रसीद जारी कर रहे हैं। बाकी के स्थल आवक यातायात ही संभालते है। फोईस के दो अन्य मॉड्यूल अर्थात नियंत्रण चर्टिंग के लिए नियंत्रण कार्यालय अनुप्रयोग और रनिंग कर्मचारियों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली भी विकसित किए गए हैं। कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली का पायलट चरण रतलाम और वडोदरा मंडलों की 4 लॉबियों (रतलाम, उज्जैन, गोधरा, और वडोदरा लॉबियों) में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया। कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली दिसंबर 2007 में शुरू की गई । 31.03.10 तक 319 कर्मीदल बुकिंग पॉइंट कमिशन किए गए है।

यात्री आरक्षण प्रणाली में अत्याधुनिक क्लाइंट-सर्वर तकनीक पर आधारित देश भर में कंप्यूटरीकृत संवर्धन आरक्षण तथा टिकटिंग नेटवर्क सभी यात्री आरक्षण प्रणाली नोड पर स्थापित किया गया है , जिसमे भारतीय रेल पर किसी भी गाड़ी में किसी भी स्थान से सीट/शायिकाए बुक करने की सुविधा उपलब्ध है । 8270 से अधिक टर्मिनलों के साथ 2350 से अधिक स्थलों पर यात्री आरक्षण प्रणाली परिचालित है, और प्रतिदिन 15 लाख से अधिक यात्री-संव्यवहार करते हुए 3000 से अधिक गाड़ियों की बुकिंग संभाल रही है।

15 अगस्त 2002 को उत्तर रेलवे के दिल्ली क्षेत्र में 23 स्टेशनों पर एक पायलट परियोजना के रूप में अनारक्षित टिकट प्रणाली (यू.टी.एस.) शुरू की गई थी । इसकी सफलता को देखते हुए यू.टी.एस. का अन्य स्थलों पर विस्तार किया गया था और 31.03.2010 को भारतीय रेल पर 3614 स्टेशनों पर कार्य कर रही थी। वर्ष के अंत तक प्रतिदिन 1.7 करोड़ से अधिक यात्रियों को टिकट उपलब्ध करा कर अनारक्षित टिकट प्रणाली से प्रतिदिन 26 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया।

यात्री सवारी डिब्बों के उपयोग में परिचालन कुशलता के सुधार तथा समयपालन की निगरानी तथा विश्लेषण करने में मदद हेतु एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है । एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली, क्रिस में स्थित सेंट्रल सर्वर पर लगायी गई है और फोईस नेटवर्क के द्वारा इसे दूरस्थ स्थानों तक पहुँचाया गया है।

दिल्ली-हावड़ा गलियारे के सभी 7 स्टेशनों नामतः दिल्ली , कानपुर , इलाहाबाद, गया सियालदाह और हावड़ा पर पार्सल प्रबंधन प्रणाली (पी.एम.एस.) की पायलट परियोजना शुरू की गई है।

वर्ष 2009-10 के लिए क्रिस के लेखों की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय द्वारा लेखापरीक्षा की जा चुकी है। इसमे कोई प्रमुख प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है ।

*****

2010/cis/Misc/CRIS Audit 09-10/7

100/241

062/2024/C&IS

2010/cis/Misc/CRIS Audit 09-10/7

Statement giving reasons for delay in laying of the Annual report and Audited Accounts of the Centre for Railway Information Systems for the year 2009-10

The Annual Accounts and the Receipts and Payments Account of CRIS for the year 2009-10 were closed and made available to the Principal Director of Audit, Northern Railway on 06.06.2010. Annual Accounts of 2009-10 were not approved by the Governing Council/Competent Authority vide Para No.6.05 and 6.06 of Manual of Instruction for Audit of Autonomous Bodies (Vol.-I). The Accounts were returned on 14.06.2010 and thereafter CRIS was asked to get the accounts approved by the competent authority. CRIS requested for Audit on 23.11.2010 with an assurance to ensure approval of Governing Council for the accounts hereafter. Thereafter, Audit was taken up on 30.11.2010 and completed on 28.12.2010. Audit observations were issued concurrently during period of Audit. Replies were sent to Audit on 21.01.2011. The Audit Certificate dated 28.03.2011 was received on same date. The Audited accounts along with the Annual Report for the year 2009-10 was approved by the Executive Committee through EC meeting held on 13.05.2011 and by the Governing Council of CRIS through circulation of papers on 08.09.2011.

As per the established procedure, extension of time for laying the report on the Table of Rajya Sabha has already been obtained upto first week winter session 2011 from Rajya Sabha Secretariat.

Accordingly, the Annual Report and Audited Accounts of CRIS for the year 2009-10 is being placed on the Table of both Houses of Parliament during the forthcoming Winter Session of 2011.

902562/2021/C&IS

. 2010/cis/Misc/CRIS Audit 09-10/7

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र की वर्ष 2009-10 की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे के प्रस्तुतीकरण में विलम्ब के कारणों का विवरण

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र के वर्ष 2009-10 के वार्षिक लेखे और प्रसि एवं भुगतान लेखे बन्द कर के प्रधान निदेशक/लेखा-परीक्षा, उत्तर रेलवे को 06.06.2010 को उप्लब्ध करा दिये गये थे । वर्ष 2009-10 के वार्षिक लेखे स्वायत्त निकायों की लेखा-परीक्षा के लिये अनुदेशों की नियमावली (जिल्द-I) के पैरा 6.05 और 6.06 के अनुसार गवर्निंग कांउसिल /सक्षम प्रधिकारी द्वारा अनुमोदित नहीं थे । लेखे 14.06.2010 को वापिस कर दिये गये और तत्पश्चात क्रिस से कहा गया कि लेखे सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित कराएं । क्रिस ने इस आश्वासन के साथ कि इसके बाद लेखों के लिये गवर्निंग कांउसिल का अनुमोदन सुनिश्चित करेंगे, 23.11.2010 को लेखा परीक्षा के लिये अनुरोध किया । तत्पश्चात, 30.11.2010 को लेखा परीक्षा शुरू की गयी और 28.12.2010 को पूरी हो गयी । लेखा-परीक्षा की अवधि के दौरान साथ-साथ ही लेखा-परीक्षा टिप्पणियां जारी की गयी थी । 21.01.2011 को लेखा-परीक्षा को उत्तर भेज दिये गये थे । दिनांक 28.03.2011 का लेखा-परीक्षा प्रमाण-पत्र उसी दिन प्राप्त हुआ था । वर्ष 2009-10 की वार्षिक रिपोर्ट के साथ-साथ लेखा-परीक्षित लेखे कार्यकारिणी समिती द्वारा ईसी मीटिंग में 13.05.2011 को अनुमोदित किये गये तथा क्रिस की गवर्निंग कांउसिल द्वारा दस्तवेजों के परिचालन के माध्यम से 08.09.2011 को अनुमोदित किये गये ।

स्थापित विधि के अनुसार्, राज्य सभा के पट्ल पर रिपोर्ट प्रस्तुत् करने हेतु राज्य सभा सचिवालय से पहले ही शीत कालीन सत्र 2011 के पहले हफ्ते तक समयसीमा बढ़ाने हेतु अनुमति ली जा चुकी है ।

तदनुसार, वर्ष 2011 के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान संसद के दोंनों सदनों के पट्ल पर वर्ष 2009-10 से संबंधित क्रिस की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा-परीक्षित लेखे प्रस्तुत किये जा रहे हैं ।